खबर संक्षेप

जन-जन की नेत्री स्व. राजेश नंदिनी सिंह की पुण्यतिथि पर उमड़ा जन सैलाब, दी गई श्रद्धांजलि

शहडोल। शहडोल संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद और सादगी की प्रतिमूर्ति स्वर्गीय श्रीमती राजेश नंदिनी सिंह की पुण्यतिथि पर समूचे अंचल ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। शुक्रवार, 8 मई को उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के दिग्गज जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने उनके निज निवास राजेंद्रग्राम पहुंचकर पुष्प अर्पित किए। 23 मार्च 1957 को जन्मी स्व. राजेश नंदिनी सिंह का जीवन संघर्ष और सेवा की मिसाल रहा। वर्ष 1984 में स्व. दलवीर सिंह जी से विवाह के बाद उन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाया। 1992 में कोतमा विधायक और 2009 में शहडोल सांसद के रूप में उन्होंने विकास की जो इबारत लिखी, वह आज भी क्षेत्र के लिए मील का पत्थर है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिला सांसद प्रतिनिधि प्रकाश जगवानी, पूर्व भाजपा जिला मंत्री प्रकाश ा नारायण शुक्ला, पार्षद रामनारायण पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह अपनी माता जी के पदचिन्हों पर चलते हुए जनसेवा के उसी संकल्प को आगे बढ़ा रही हैं। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि स्व. राजेश नंदिनी सिंह का सरल स्वभाव और हर वर्ग के लिए उपलब्धता उन्हें एक राजनेता से ऊपर उठाकर जनप्रिय नेत्री की श्रेणी में खड़ा करती है। उनकी पुण्यतिथि पर राजेंद्रग्राम से लेकर शहडोल तक उनके स्नेह और योगदान को भावपूर्ण तरीके से स्मरण किया गया।

गौमाता के साथ दरिंदगी पर भडक़ा हिंदू संगठन

शहडोल। जिले के बुढार थाना अंतर्गत राजा होटल के सामने मानवता को शर्मसार करने वाली घिनौनी वारदात सामने आई है। बीती रात करीब 1 बजे एक युवक द्वारा गौमाता के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। इस घृणित घटना से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल (प्रखंड धनपुरी) ने इस कृत्य के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। विहिप कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 3 दिनों के भीतर दोषी की पहचान कर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत कठोरतम कार्रवाई नहीं हुई, तो वे थाने का घेराव कर उग्र प्रदर्शन करेंगे। दरिंदगी की इस घटना ने समाज की विकृत मानसिकता और पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली को एक बार फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है।

एनआरसी केंद्रों में 70 बच्चे भर्ती, सभी बिस्तर पूर्ण

शहडोल। जिले के विभिन्न पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों के उपचार एवं देखभाल का कार्य लगातार जारी है। जिले के सभी एनआरसी केंद्रों में कुल 70 बच्चों को भर्ती किया गया है तथा सभी उपलब्ध बिस्तर भर चुके हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया है कि जिला चिकित्सालय शहडोल एनआरसी में 20 में से 18 बच्चे भर्ती हैं एवं 2 बिस्तर रिक्त हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी में सभी 10 बिस्तर भरे हुए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर में 10 में से 9 बच्चे भर्ती हैं तथा 1 बिस्तर रिक्त है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार में 7 बच्चे भर्ती हैं और 3 बिस्तर खाली हैं। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर एनआरसी केंद्रों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। गोहपारू में 10 बिस्तरों के विरुद्ध 12 तथा सिंहपुर में 10 बिस्तरों के विरुद्ध 14 बच्चे भर्ती है।

कहीं राहत तो कहीं मातम!

कुदरत का कहर: शहडोल में आसमानी आफत ने उजाड़ा किसानों का नसीब

शहडोल। नौतपा की आहट और मई की झुलसा देने वाली गर्मी के बीच जिले में मौसम ने ऐसा खौफनाक यू-टर्न लिया कि इंसान से लेकर प्रकृति तक कांप उठी। शुक्रवार को अचानक बदले मिजाज के बाद जिले में आई तेज आंधी, झमाझम बारिश और भीषण ओलावृष्टि ने पूरे जनजीवन को तहस-नहस कर दिया है। एक तरफ जहां गिरते पारे ने लोगों को उमस और तपिश से चंद घंटों की राहत दी, वहीं दूसरी तरफ अन्नदाता के लिए यह बारिश आफत बनकर बरसी, जिसने उनकी उम्मीदों को मलबे में तब्दील कर दिया।

सडक़ों पर गिरे विशालकाय पेड़

दोपहर बाद अचानक आसमान में काली घटाएं छाईं और देखते ही देखते अंधड़ ने तबाही मचाना शुरू कर दिया। हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक कई पुराने और विशालकाय पेड़ ताश के पत्तों की तरह ढह गए। कई जगहों पर बिजली के खंभे उखडक़र गिर गए, जिससे समूचे जिले की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। घंटों तक बिजली गुल रहने के कारण लोग रात भर अंधेरे और उमस के बीच पसीने से तर-बतर होते रहे। बिजली विभाग का अमला देर रात तक लाइनों को दुरुस्त करने की जद्दोजहद करता दिखा, लेकिन नुकसान इतना ज्यादा था कि रिकवरी करना टेढ़ी खीर साबित हुआ।

सिंहपुर और खैरहा में गिरे ओले, बर्बाद हुई फसलें

कुदरत की सबसे क्रूर मार जिले के सिंहपुर और खैरहा क्षेत्र में पड़ी। यहां करीब 15 से 20 मिनट तक हुई सघन ओलावृष्टि ने धरती पर सफेद चादर बिछा दी, लेकिन यह चादर किसानों के लिए कफन जैसी साबित हुई। ओलों के प्रहार से खेतों में खड़ी टमाटर, बैंगन, मिर्च और अन्य मौसमी सब्जियां पूरी तरह चौपट हो गईं। पेड़ों पर लदे आम और महुआ, जिन्हें किसान अपनी साल भर की कमाई का जरिया मानते हैं, वे कच्ची उम्र में ही टूटकर जमीन पर बिछ गए। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह ने पुष्टि की है कि इस बेमौसम मार से सिंहपुर क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। ओलावृष्टि ने सब्जी उत्पादक किसानों की कमर तोड़ दी है और अब उनके सामने आर्थिक संकट का पहाड़ खड़ा है।

कीचड़ और जलभराव से नरक बनीं सडक़ें

शहर की ड्रेनेज व्यवस्था की कलई भी इस बारिश ने खोलकर रख दी। झमाझम बारिश के बाद मुख्य मार्ग और बस्तियां कीचड़मय हो गईं। सडक़ों पर जलभराव के कारण राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक तरफ प्रशासन विकास के दावे ठोकता है, तो दूसरी तरफ एक घंटे की बारिश ने पूरे शहर को टापू में तब्दील कर दिया।

सावधान! अभी टला नहीं है खतरा

मौसम विभाग की मानें तो यह महज एक ट्रेलर था। आने वाले दिनों में भी इसी तरह के वज्रपात, आंधी और बेमौसम बारिश की प्रबल संभावना जताई गई है। विभाग ने किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जो नुकसान हो चुका है, उसकी भरपाई कौन करेगा? क्या शासन-प्रशासन केवल कागजी घोड़े दौड़ाएगा या इन बर्बाद हुए किसानों को उचित मुआवजा देकर उनके आंसू पोंछने की जहमत उठाएगा? कुल मिलाकर, शहडोल के लिए यह यू-टर्न किसी त्रासदी से कम नहीं है। अब देखना यह है कि प्रशासन राहत कार्य में कितनी तेजी दिखाता है।

ओंकार के हाथ फिर अमलाई की कमान, पटवारी की टीम ने जताया भरोसा

शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठन की नई धार और पैनी चुनावी रणनीति के बीच अमलाई मंडलम की जिम्मेदारी एक बार फिर अनुभवी कंधों पर सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के विजन और संगठन मंत्री संजय कामले के निर्देश पर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी के अनुमोदन के बाद ओंकार सिंह को पुनः अमलाई मंडलम कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ओंकार सिंह की इस ताजपोशी को जिले के राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस की जमीन मजबूत करने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनकी ऊर्जावान कार्यशैली और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पैठ को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर उन पर दांव खेला है।

बधाई देने वालों का तांता, कार्यकर्ताओं में उत्साह

नियुक्ति की खबर फैलते ही कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल छा गया। वरिष्ठ नेता राजीव शर्मा, अशोक सिंह और धनपुरी नपा उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल सहित मुबारक मास्टर, साबिर खान और जवाहर राव ने इसे संगठन हित में लिया गया सटीक फैसला बताया। हर्ष पाठक, इबरार खान और शोभाराम पटेल जैसे दिग्गज नेताओं ने भी सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी बूथ स्तर पर और अधिक आक्रामक होकर उभरेगी। इस दौरान संदीप कुशवाहा, अभिषेक द्विवेदी, अंकित सिंह और राम सजीवन शर्मा सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस और प्रियंका गांधी ब्रिगेड के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। साफ है कि ओंकार सिंह की वापसी से अमलाई क्षेत्र में विपक्षी दलों के लिए सियासी राह अब आसान नहीं रहने वाली।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया गया साफ सफाई का कार्य दिया, जल संरक्षण का संदेश

शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में दूरगामी सोच के साथ मध्यप्रदेश में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जनभागीदारी से जनांदोलन बन चुका है। जल गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला शहडोल, विकासखंड गोहपारू की नवांकुर संस्था आदर्श ग्राम विकास समिति के सेक्टर ग्राम महुआ टोला द्वारा जल संरक्षण हेतु स्थानीय बवाली की साफ सफाई का कार्य किया गया। उक्त साफ सफाई कार्य में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अशोक अहिरवार , मेंटर्स मुकेश पाठक ,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति महुआटोला ,सी एम सी एल डी पी के छात्र-छात्राएं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जनमानस को जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया ।

स्व. पवन कुमार चमडिया स्मृति प्रीमियर लीग का महामुकाबला कल

खिलाड़ियों को किया जाएगा पुरस्कृत

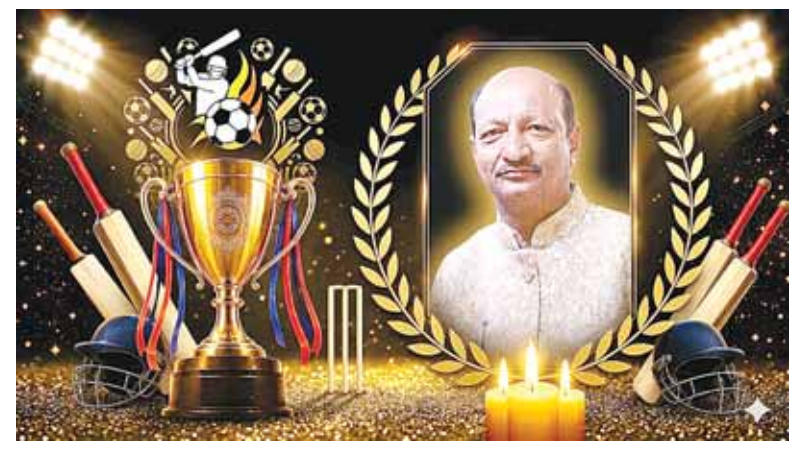

बुढार। खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं में खेल भावना के संचार हेतु आयोजित 'स्वर्गीय पवन कुमार चमडिय़ा स्मृति पावर प्ले प्रीमियर लीग (सीजन-1)' अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच चुकी है। इस भव्य टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला कल यानी 10 मई 2026 को शाम 7:00 बजे से बुढार बाईपास रोड स्थित पावर प्ले टर्फ पर खेला जाएगा। इस रोमांचक मुकाबले को लेकर खिलाडिय़ों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। चमडिया परिवार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य पूज्य पिताजी की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर क्रिकेट की नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। फाइनल मैच के तुरंत बाद रात 8:00 बजे से समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. पवन कुमार चमडिया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर की जाएगी। इसके पश्चात प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों और विजेता टीमों को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजक राजेश कुमार चमडिया, मनीष कुमार चमडिया एवं बनवारी लाल चमडिया ने संयुक्त रूप से बताया कि समापन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी उपस्थित रहेंगे, जिनकी मौजूदगी से न केवल खिलाडिय़ों का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि आयोजन की गरिमा भी बढ़ेगी। उन्होंने समस्त खेल प्रेमियों से अपील की है कि खनूजा पेट्रोल पंप के सामने स्थित मैदान पर पहुँचकर इस खेल उत्सव का हिस्सा बनें।

एनएच-43 पर हिट एंड रन का तांडव

कुलपति के ड्राइवर को कुचलकर भागा यमदूत
हाईवे पर भडक़ा आक्रोश, घंटों रहा चक्काजाम!

शहडोल। नेशनल हाईवे-43 एक बार फिर निर्दोष के खून से लाल हो गया। बीती रात बुढार थाना क्षेत्र के लालपुर के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेलर ने यमदूत बनकर पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति के ड्राइवर को बेरहमी से कुचल दिया। हादसा इतना वीभत्स था कि युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार होने में कामयाब रहा, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने हाईवे पर लाश रखकर जमकर बवाल काटा।

कुचलने के बाद भी नहीं रुका ट्रेलर

मिली जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय के कुलपति के वाहन चालक मुकेश यादव देर रात अपनी ड्यूटी पूरी कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान लालपुर के पास पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक, टक्कर मारने के बाद चालक ने वाहन रोकने की जहमत नहीं उठाई, बल्कि मुकेश को कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया। इस क्रूर हादसे में मुकेश का शरीर क्षत-विक्षत हो गया और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सडक़ पर उतरा गुस्सा, प्रशासन के फूले हाथ-पांव

जैसे ही हादसे की खबर फैली, ग्रामीण और मृतक के परिजन बड़ी संख्या में एनएच-43 पर जमा हो गए। लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। आक्रोशित भीड़ ने शव को सडक़ के बीचों-बीच रखकर चक्काजाम कर दिया। देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर ट्रकों और बसों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों का साफ कहना था कि जिले में बेखौफ दौड़ रहे भारी वाहन निर्दोषों की जान ले रहे हैं और पुलिस प्रशासन मौन है।

भारी पुलिस बल ने दी दबिश

चक्काजाम की सूचना पर बुढार थाना पुलिस समेत वरिष्ठ अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। घंटों तक चली गहमागहमी और पुलिस द्वारा आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी व सख्त कार्रवाई के ठोस आश्वासन के बाद ही प्रदर्शनकारी सडक़ से हटने को राजी हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर लिया है।

कब रुकेगा मौतों का ये सिलसिला

शहडोल जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर भारी वाहनों की बेलगाम रफ्तार अब स्थानीय लोगों के लिए काल साबित हो रही है। पुलिस अब आसपास के टोल प्लाजा और ढाबों में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है ताकि कातिल ट्रेलर का पता लगाया जा सके। फिलहाल, इस हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और लोगों में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली को लेकर भारी नाराजगी है।

खबर संक्षेप

चंदिया उर्स के आयोजन के संबंध में बैठक आज

उमरिया। हजरत नौगजा शाहदाता रहमतुल्ला अलैह चंदिया में रात्रिकालीन उर्स का आयोजन 15, 16 एवं 17 मई 2026 को किया जाना है । आयोजित रात्रिकालीन हजरत नौगजा शाहदाता रहमतुल्ला अलैह चंदिया उर्स की पूर्व तैयारी हेतु 10 मई को प्रातः 11 बजे नगर परिषद चंदिया में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जिले में 5247 किसानों से 17305 मी0टन गेहूं की गई खरीदी

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में जिले में 5247 किसानो से 17305 मी0टन गेहूं कि खरीदी की गई है। कुल गेहूं खरीदी की संख्या 34 है। स्लॉट बुकिंग की संख्या 10121 है। जिले मे 10164.5 मी. टन का परिवहन किया जा चुका है। जेआईटी पोर्टल के माध्यम से 11.02 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है, 16.40 करोड का भुगतान होना शेष है।

अमरकंटक-जालेश्वर मार्ग निर्माण कार्य जारी

अमरकंटक। पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक से जलेश्वर धाम की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर इन दिनों सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है। मार्ग के उन्नयन एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए पुरानी सड़क को तोड़कर नए स्वरूप में चौड़ी, सीधी एवं सुविधाजनक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते फिलहाल इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से प्रभावित एवं बंद कर दिया गया है। नगर परिषद अमरकंटक के संरक्षण एवं देखरेख में संचालित इस निर्माण कार्य का उद्देश्य श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों को भविष्य में बेहतर एवं सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के पश्चात अमरकंटक से जलेश्वर तक का सफर पहले की अपेक्षा अधिक सरल, सुरक्षित एवं आरामदायक हो जाएगा। प्रशासन एवं नगर परिषद द्वारा नगरवासियों, ग्रामवासियों तथा बाहर से आने वाले यात्रियों से अपील की गई है कि निर्माण कार्य के दौरान यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें तथा वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही निर्माण स्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा असुविधा से बचा जा सके। स्थानीय नागरिकों ने भी सड़क निर्माण कार्य को क्षेत्र के विकास एवं यातायात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सहयोग की भावना व्यक्त की है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह मार्ग धार्मिक पर्यटन और स्थानीय आवागमन के लिए नई सुविधा लेकर आएगा।

आबकारी विभाग की चुप्पी से गहराया नशे का काला साया

मानपुर में मधुशाला बना हर गांव

उमरिया। जिले का मानपुर जनपद क्षेत्र इन दिनों सरकारी संरक्षण में फल-फूल रहे शराब माफियाओं के चंगुल में है। नियम-कायदों को ठेंगे पर रखकर ठेकेदार द्वारा गांव-गांव में बिछाया गया अवैध पैकारी का जाल न केवल नई पीढ़ी की रगों में जहर घोल रहा है, बल्कि क्षेत्र की कानून व्यवस्था को भी सरेआम चुनौती दे रहा है। हैरत की बात यह है कि जिस आबकारी विभाग पर लगाम कसने की जिम्मेदारी है, वह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है।

आबकारी नियमों की उड़ रही धज्जियां

आबकारी नीति के अनुसार, शराब की बिक्री केवल निर्धारित लाइसेंसी दुकानों से ही की जा सकती है, लेकिन मानपुर, ताला, इंदवार और अमरपुर क्षेत्र में जमीनी हकीकत इसके उलट है। ठेकेदार हेमंत चंदानी के गुर्गे बेखौफ होकर दोपहिया वाहनों से शराब की पेटियां गांवों में सप्लाई कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो प्रत्येक गांव में दो से तीन अवैध पैकारी दुकानें खुलवा दी गई हैं, जहां कमीशन के लालच में युवाओं को मौत का सामान परोसा जा रहा है। क्या आबकारी विभाग को यह नजर नहीं आता कि कैसे नियमों को ताक पर रखकर शराब की पेटियां सडक़ों पर दौड़ रही हैं।

नशे की लत से बढ़ते अपराध

शराब के इस अवैध कारोबार ने मानपुर के सामाजिक ढांचे को हिलाकर रख दिया है। सुगमता से उपलब्ध मदिरा ने युवाओं को नशे का आदि बना दिया है। जब नशे की पूर्ति के लिए जेब में पैसे नहीं होते, तो यही युवा वर्ग चोरी, लूट और ठगी जैसी वारदातों की ओर कदम बढ़ा रहा है। क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि अवैध शराब का यह कारोबार अब केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि एक गंभीर सुरक्षा खतरा बन चुका है।

ठेकेदार की अपनी सरकार

मध्य प्रदेश आबकारी नियमों के तहत हर मदिरा दुकान पर रेट लिस्ट (मूल्य सूची) चस्पा होना अनिवार्य है और ग्राहक को हर खरीद का बिल देना अनिवार्य है, लेकिन मानपुर शराब दुकान क्रमांक-1 में नियम केवल कागजों तक सीमित हैं। दुकान पर कोई रेट सूची नहीं है, जिससे ग्राहकों से मनमानी वसूली की जा रही है। बिल न देने के कारण आए दिन दुकान पर मारपीट और विवाद की स्थिति निर्मित होती है। आबकारी निरीक्षक दिनकर तिवारी स्वयं स्वीकार करते हैं कि बिल नहीं दिया जा रहा है। सवाल यह है कि जब गड़बड़ी पकड़ी गई है, तो अब तक ठेकेदार का लाइसेंस निलंबित क्यों नहीं किया गया, केवल टीप लिखने से क्या विभाग की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है।

मुख्यालय से नदारद अफसर

क्षेत्र में चर्चा है कि संबंधित विभाग के इंस्पेक्टर और आला अधिकारी अपने मुख्यालय में टिकते ही नहीं। जब रक्षक ही मैदान छोड़ देंगे, तो भक्षक तो हावी होंगे ही। अधिकारियों की इस कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है, क्या यह अनुपस्थिति किसी सांठ-गांठ का हिस्सा है, ठेकेदार के हौसले इतने बुलंद हैं कि उसे न तो पुलिस का डर है और न ही प्रशासन का खौफ।

इन नियमों का हो रहा खुला उल्लंघन

आबकारी अधिनियम की धारा 18 के अनुसार बिना लाइसेंस के स्थान पर शराब का भंडारण और विक्रय पूर्णतः अवैध है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत बिना बिल के सामग्री बेचना दंडनीय अपराध है। व्यावसायिक मात्रा में शराब का निजी वाहनों से अवैध परिवहन जब्ती और राजसात की श्रेणी में आता है।

कब जागेगा प्रशासन

मानपुर की जनता अब आर-पार की लड़ाई के मूड में है। युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है और घर के घर तबाह हो रहे हैं। यदि आबकारी विभाग और जिला प्रशासन ने हेमंत चंदानी जैसे ठेकेदारों की मनमानी और अवैध पैकारी पर तत्काल रोक नहीं लगाई, तो उग्र जन-आंदोलन तय है।

जिला प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में इको सेंटर ताला में समीक्षा बैठक संपन्न

हर घर तक पहुंचे बिजली, पानी और आवास का लाभः चौहान

उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान की अध्यक्षता में इको सेंटर ताला में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम, विद्युत विभाग तथा खाद्य विभाग की योजनाओं और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय-सीमा में आम जनता तक पहुंचे तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में स्वीकृत 2908 कार्यों के विरुद्ध 289 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इनमें से 1093 कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है तथा 1526 कार्य प्रगतिरत हैं। इस पर जिला प्रभारी मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि पुराने और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण को जन अभियान का रूप दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 60,386 लोगों का आवास प्लस 2.0 के अंतर्गत सर्वे किया गया है, जिसमें से 58,841 हितग्राहियों का चेकर द्वारा सत्यापन किया जा चुका है। सत्यापन हेतु 1545 परिवार शेष हैं। जिला प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी स्वीकृत आवास समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा शेष सत्यापन कार्य 20 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए।

स्वच्छ भारत मिशन एवं पेयजल व्यवस्था

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक भवनों, बस्तियों, स्कूलों, छात्रावासों एवं सार्वजनिक शौचालयों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी की जाए।

जल जीवन मिशन की समीक्षा

जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में कुल 308 नल-जल योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 246 पूर्ण हो चुकी हैं तथा 62 योजनाएं प्रगतिरत हैं। योजनाओं की धीमी प्रगति पर जिला प्रभारी मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का सही एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जहां पेयजल संकट की स्थिति है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूर्ण किए जाएं तथा खराब या बंद पड़ी योजनाओं को तत्काल सुधार कर चालू किया जाए।

विद्युत विभाग की समीक्षा

विद्युत विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि आरडीएसएस योजना अंतर्गत प्रस्तावित 33/11 केव्ही डबरौहा, पथरहठा एवं देवगवां खुर्द उपकेंद्रों का कार्य आंशिक रूप से पूर्ण हो चुका है तथा दो फीडरों का कार्य शेष है। वहीं बल्हौड़ में वन विभाग की आपत्ति के कारण कार्य रुका हुआ है। जिला प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि विद्युत कनेक्शन विहीन घरों का सर्वे कर विस्तृत डाटा तैयार किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर प्रत्येक घर तक बिजली पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे गांव जहां आज तक विद्युत सुविधा नहीं पहुंची है, वहां विशेष अभियान चलाकर शीघ्र विद्युतीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रांसफार्मर खराब होने एवं विद्युत बाधित होने की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए ताकि ग्रामीणों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

खाद्य विभाग की समीक्षा

खाद्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 5247 किसानों से 17,305 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। जिले में कुल 34 उपार्जन केंद्र संचालित हैं। स्लॉट बुकिंग की संख्या 10,121 है तथा 10,164.5 मीट्रिक टन गेहूं का परिवहन किया जा चुका है। जेआईटी पोर्टल के माध्यम से 11.02 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है, जबकि 16.40 करोड़ रुपये का भुगतान शेष है। इस पर जिला प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि किसानों के लंबित भुगतान शीघ्र किए जाएं तथा उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं और परिवहन कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में जिला प्रभारी मंत्री ने किरनताल तक पहुंचने वाले मार्ग पर पानी भराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अंडरब्रिज को पुनः डिजाइन कर भारत सरकार को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही वन विभाग की आपत्तियों के कारण लंबित परियोजनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार जनता से जुड़े कार्यों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह, कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय,पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,उप संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,आशुतोष अग्रवाल सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री नल जल योजना एवं जल जीवन मिशन का किया अवलोकन

उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम धमोखर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग व्दारा संचालित नल जल योजना तथा करकेली विकासखंड के ग्राम बडेरी में जल निगम द्वारा संचालित जल जीवन मिशन योजना के संचालन का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम धमोखर में सडक़ के किनारे बने मकानों में पानी चालू होना पाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सडक़ से रहवास गांव 800 मीटर की दूरी पर है। रहवास गांव पर पाईप लाइन डाल दी गई है लेकिन टंकी पर पानी नही चढ़ रहा है,जिससे पानी की आपूर्ति ग्रामवासियों को नहीं हो रही है। जिस पर प्रभारी मंत्री ने एक सप्ताह के अंदर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के कार्यपालन यंत्री को दिए। ग्राम बड़ेरी में जल जीवन मिशन व्दारा संचालित जल जीवन मिशन के अवलोकन के दौरान नल से जल मिलना पाया गया, लेकिन नलों मे टोटियां नहीं लगी होने कि वजह से पानी व्यर्थ बहना पाया गया। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को सात दिवस की भीतर नलों में टोंटी लगवाने के निर्देश दिए।इस दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने हितग्राहियों से रूबरू चर्चा करते हुए पानी के आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली जिस पर हितग्राहियों ने बताया कि पानी की आपूर्ति प्रतिदिन निश्चित समय पर की जाती है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय,सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी , जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रमवीरों का परिवार मिट्टी युक्त पानी पीने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मिट्टी युक्त पानी पीने को श्रम वीरों का परिवार मजबूर हो रहा है बताया जा रहा है कि जमुना कोतमा क्षेत्र अंतर्गत कोतमा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 12 गोबिंदा कालोनी एवं 13 लहसुई कैप मे तीन दिनों से मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई गोविंदा कालरी के फिल्टर प्लांट से की जा रही है। शनिवार को श्रम वीरों के परिवार के लोगों ने अपने घर में फिल्टर प्लांट से सप्लाई किए हुए पानी की तस्वीर कैद करवाते हुए बताया कि लगातार तीन दिनों से कालरी के द्वारा गोबिंदा कालोनी मे स्थित फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई किया जा रहा है जब यह पानी किसी भी उपयोग के लिए काम नहीं आ रहा है पानी में इतना मिट्टी एवं मतवाला पानी है कि ना तो उसे नहाने और ना ही पीने और ना ही खाना पकाने के काम में लिया जा सकता है जबकि कालरी के फिल्टर प्लांट में पानी को पूरी तरह फिल्टर करने की सुविधा उपलब्ध है उसके बाद भी जिम्मेदारों के द्वारा मटमैला पानी एवं मिट्टी युक्त पानी की सप्लाई की जा रही है। मजबूरी में उन्हें बाजार से आरो का पानी खरीद कर मंगाना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि केवई नदी में मोटर बैठाया गया है और वहां से पानी सीधे प्रिंटर प्लांट में पाइप के माध्यम से सप्लाई की जाती है दो-तीन दिनों से मौसम खराब होने के कारण केवई नदी में बाढ़ आई है जिसके कारण फिल्टर प्लांट से उस पानी की सीधे सप्लाई कर दिया जा रहा है जबकि पानी मे एलम एवं फिटकरी मिलाकर साफ करते हुए सप्लाई करनी चाहिए। श्रमवीरों के परिवार ने बताया कि मिट्टी युक्त पानी का यदि उपयोग करेंगे तो उससे बीमारी होने का खतरा भी है। कालरी प्रबंधन से साफ पानी सप्लाई किये जाने की मांग की गई है।

सात बरस बाद पिघली दिलों की बर्फ कोर्ट ने कहा-रिश्ते मुकदमों से बड़े हैं

हरिभूमि न्यूज कोतमा। सालों की कानूनी खींचतान और आपसी कड़वाहट के बाद आखिरकार रिश्तों की जीत हुई है। एक मामूली बहस से शुरू हुआ और मारपीट की आपराधिक धाराओं तक पहुंचा दो सगे भाइयों का सात साल पुराना विवाद शनिवार को लोक अदालत मे सुलझ गया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में ग्राम रेउला थाना कोतमा में संपत्ति के बंटवारे को लेकर बड़े भाई लीलमन और छोटे भाई गोविंद के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया। पिछले सात वर्षों से यह मामला स्थानीय अदालत में लंबित था। कई दौर की बातचीत और समझाइश के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से समझौते पर पहुंचे। लोक अदालत के न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा ने समझौते को मंजूरी देते हुए दोनों भाइयों के प्रकरण समाप्त कर कहा, खून के रिश्तों को मुकदमेबाजी में नहीं झोंकना चाहिए। परिवार के बुजुर्ग पिता ने बताया कि दोनों भाइयों के बीच सुलह की यह खबर सुनकर ऐसा लगा जैसे जीवन का सबसे बड़ा बोझ उतर गया। सात साल बाद आज इस घर में फिर से एक साथ खाना पकेगा। स्थानीय निवासियों ने इस समाधान का स्वागत किया और कहा कि आपसी विवादों को बातचीत और लोक अदालत के माध्यम से सुलझाना ही बेहतर विकल्प है।

एक माह तक मांगलिक कार्यों पर रहेगा विराम, भक्ति-साधना का विशेष पर्व

17 मई से प्रारंभ होगा पुरुषोत्तम मास

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। हिंदू धर्म में अत्यंत पुण्यदायी एवं आध्यात्मिक महत्व रखने वाले अधिक मास, जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है, का शुभारंभ इस वर्ष 17 मई से हो रहा है। यह पावन मास 15 जून तक चलेगा। लगभग एक माह की इस अवधि में विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, उपनयन संस्कार, मुंडन एवं अन्य सभी प्रकार के मांगलिक कार्य पूर्णतः वर्जित रहेंगे। धर्मशास्त्रों एवं ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह समय सांसारिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर ईश्वर भक्ति, जप, तप, दान, धर्म एवं आत्मचिंतन के लिए सर्वोत्तम माना गया है। विक्रम संवत 2083 में इस वर्ष सामान्य 12 महीनों के स्थान पर 13 माह होंगे। चंद्र एवं सौर कैलेंडर के बीच उत्पन्न अंतर को संतुलित करने हेतु लगभग प्रत्येक तीन वर्ष में अधिक मास का आगमन होता है। विशेष बात यह है कि इस मास में सूर्य की कोई संक्रांति नहीं होती, इसलिए इसे "संक्रांति-विहीन मास" अथवा "मलमास" भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान नया व्यवसाय प्रारंभ करना, वाहन, मकान, दुकान अथवा अन्य स्थायी संपत्तियों की खरीदी करना भी शुभ नहीं माना जाता।

भगवान विष्णु की आराधना का विशेष माह

पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णु को समर्पित माना गया है। इस पूरे मास में भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना, श्रीमद्भागवत कथा श्रवण, सत्संग, दान-पुण्य एवं सत्य धर्म के मार्ग पर चलना अत्यंत फलदायी बताया गया है। धर्माचार्यों का मानना है कि इस मास में किए गए जप, तप, दान एवं पुण्य कर्मों का फल हजार गुना अधिक प्राप्त होता है। यही कारण है कि सनातन परंपरा में इसे आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ अवसर माना गया है।

क्यों पड़ा "पुरुषोत्तम मास" नाम?

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन समय में इस माह को "मलमास" कहकर उपेक्षित माना जाता था, क्योंकि इसका कोई अधिपति देवता नहीं था। तब यह मास भगवान विष्णु की शरण में पहुंचा। भगवान विष्णु ने इसे अपना "पुरुषोत्तम" नाम प्रदान किया और इसे सभी महीनों में श्रेष्ठ घोषित किया। भगवान ने कहा कि अन्य महीनों में कठिन तपस्या एवं साधना से जो फल प्राप्त होता है, वही फल पुरुषोत्तम मास में केवल श्रद्धा, भक्ति, जप एवं दान से सहज रूप से प्राप्त हो सकता है। तभी से यह मास "पुरुषोत्तम मास" के नाम से विख्यात हुआ।

धर्म और कर्तव्य पालन का संदेश

पुरुषोत्तम मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का ही नहीं, बल्कि धर्म, संयम और कर्तव्य पालन का भी संदेश देता है। शास्त्रों में कहा गया है काम, भय अथवा लोभ के कारण कभी भी धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए, चाहे जीवन पर ही संकट क्यों न आ जाए। यह पावन मास मनुष्य को सदाचार, सेवा, संयम, समर्पण एवं ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का मार्ग दिखाता है। धर्माचार्यों ने पुरुषोत्तम मास में प्रतिदिन निम्न मंत्र के जाप को अत्यंत शुभ एवं कल्याणकारी बताया है ओंम नमो भगवते पुरुषोत्तमाय नमः।

खबर संक्षेप

नलों में नहीं आ रहा पानी, समस्या का समाधान नहीं

सिलौंडी। सिलौंडी में टंकी लाइन गांव के वार्ड 2,9, 8,3, 4 में लगभग 200 नल कनेक्शनधारी एक माह से नल नही आने के कारण बहुत परेशान है। रिटायर्ड फौजी कमलेश राय, अनुराग राय, पुरुषोत्तम राय, जुगल राय, सतेंद्र राय, रवि राय ने बताया कि पिछले एक माह से हम लोगों को नल नही चल रहे है कभी दो तीन में एक बार पानी मिलता है। गर्मी में कुआं, हैंडपंप से पानी भरने को मजबूर है(सीएम हेल्प लाइन में भी शिकायत किया परन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सुबह से ही पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। प्रशासन से मांग की गई है जल्द से जल्द टंकी लाइन के नलों को सुचारू रूप से संचालित किया जाए।

किसानों को मिलेगी 25 हजार रूपये तक की राशि

कटनी। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन₹ (आत्मा) योजना के तहत वर्ष 2025-26 की गतिविधियों के आधार पर जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु कृषकों से 15 मई तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी जैसे क्षेत्रों में नवाचार करने वाले किसानों को दिया जाएगा। परियोजना संचालक ₹आत्मा₹ ने बताया कि किसानों को उनकी तकनीक, उपज और उत्पादकता के आधार पर मूल्यांकन समिति की अनुशंसा पर पुरस्कृत किया जाएगा। जिला स्तर पर कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी और कृषि अभियांत्रिकी जैसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक-एक कृषक को 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। विकासखण्ड स्तरीय पुरस्कार के तहत जिले के सभी विकासखण्ड से विभिन्न गतिविधियों के लिए चयनित एक-एक कृषक को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इच्छुक किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (ग्रामसेवक), बी.टी.एम. या ए.टी.एम. से संपर्क कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्राप्त कर कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन और कृषि अभियांत्रिकी से जुड़े कृषक अपने-संबंधित विभागों के अधिकारियों के पास भी आवेदन प्राप्त कर भरे हुए फॉर्म जमा कर सकते हैं।

नकदी व जेवरात नहीं मिले तो घर किया अस्त व्यस्त

कटनी। बदमाशों ने एक सूने मकान को अपना निशाना बनाया। घर में नकदी व जेवरात आदि नहीं मिलने पर पूरे घर की सामग्री अस्त व्यस्त कर दी। घटना एनकेजे थाना अंतर्गत कटनी-देवरीहटाई मार्ग पर बीतीरात हुई। चोरों ने घर आलमारियों को खंगाला लेकिन कुछ नहीं मिला तो वो पूरे घर में सामान फैला कर चले गए। मकान मालिक मनोज विश्वकर्मा ने बताया कि उनके परिवार में वैवाहिक समारोह आयोजित था जिसमें शामिल होने के लिए वो पूरे परिवार के साथ समीपस्थ ग्राम में गए थे। इसी का फायदा उठा कर अज्ञात बदमाशों ने उनके सूने मकान को निशाना बनाया। मनोज के मुताबिक घर की महिलाओं ने विवाह समारोह की वजह से अपने सोने व चांदी के जेवर पहने हुए थे और घर में ज्यादा नगदी नहीं थी। इसलिए बदमाशों को घर के अंदर सोने-चांदी के जेवर और नगदी व मिलने पर सामान बिखेर कर चले गए। मनोज के द्वारा चोरी की शिकायत एनकेजे पुलिस से की गई है। पुलिस ने मौका बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

जलभराव की स्थिति से निबटने विशेष अभियान

कटनी। वर्षा ऋतु के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो तथा नागरिकों को सुगम आवागमन और बेहतर स्वच्छता वातावरण उपलब्ध हो, इसे लेकर नगर निगम कटनी द्वारा वृहद स्तर पर नाले-नालियों की सफाई का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा मशीनों एवं स्वच्छता अमले की सहायता से शहर के विभिन्न वार्डों में जल निकासी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान स्वरूप कार्यवाही की जा रही है, जिससे वर्षा जल का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की बड़ी जीत: बिलासपुर जोन में जल्द होगी रुकी हुई GDCE परीक्षा, प्रशासन ने वापस लिया रद्द करने का प्रस्ताव

शहडोल।

बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के युवा रेल कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। रेलवे जोन मुख्यालय बिलासपुर में आयोजित वर्ष 2026 की प्रथम जोनल पीएनएम (PNM) बैठक में रेलवे मजदूर कांग्रेस की पुरजोर मांग के बाद, प्रशासन ने वर्ष 2023 की रुकी हुई जीडीसीई (GDCE) परीक्षा को जल्द आयोजित करने का निर्णय लिया है।

मजदूर कांग्रेस के हस्तक्षेप से टला परीक्षा रद्द होने का खतरा

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की उपस्थिति में आयोजित दो दिवसीय बैठक (06 व 07 मई) में युवा रेल कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित GDCE 2023 परीक्षा पर व्यापक चर्चा हुई। चर्चा के दौरान प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने खुलासा किया कि प्रशासन ने इस परीक्षा को रद्द करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेज दिया था।

हालांकि, रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के कड़े

विरोध और प्रभावी हस्तक्षेप के बाद, महाप्रबंधक ने प्रशासन को अपना वह प्रस्ताव लिखित में वापस लेने का निर्देश दिया। इस निर्णय से हजारों युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो गया है।

31 मई से पहले जारी होगी अधिसूचना

बैठक में रेल प्रशासन ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि:परीक्षा कराने हेतु एग्जाम कंडक्टिंग एजेंसी (ECA) के रूप में चंडीगढ़ आरआरबी (RRB) का चयन कर लिया गया है।31 मई 2026 से पहले मजदूर कांग्रेस के साथ पुनः बैठक कर रुकी हुई परीक्षा के लिए नई अधिसूचना (Notification) जारी कर दी जाएगी।

विदाई समारोह और प्रमुखों की उपस्थिति

बैठक के दौरान एक भावुक क्षण भी आया जब सेवानिवृत्त होने जा रहे हेडक्वार्टर एपीओ ए. प्रकाश को मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने फूल-माला, शाल और श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी।

मजदूर कांग्रेस के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव व जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक विजय कुमार साहू, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी आदित्य कुमार, मुख्य कार्मिक अधिकारी (आई आर) डॉ. दर्शनीयता आहुलवालिया उपस्थित थे। वहीं संगठन की ओर से जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन, मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री (बिलासपुर), बी.डी. प्रसाद (रायपुर), इंदल दमाहे (नागपुर) सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हर श्रमिक को कानून का लाभ मिलना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

भारतीय मज़दूर संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री ने जिले के गाँव गाँव तक संगठन को ले जाने के निर्देश कार्यकर्ताओं को दिए। संगठन मंत्री ने अपने प्रवास के दौरान सिविल लाइन में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। जिले में कार्यरत सभी यूनियनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में उपस्थिति रही। जिले की समस्त तहसीलों के अध्यक्ष,सचिवों ने इस महत्वपूर्ण बैठक में शिरकत की।

संगठन मंत्री सी व्ही राजेश ने प्रत्येक सेक्टर में यूनियनें गठित करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हर श्रमिक को श्रम कानूनों का लाभ मिलना चाहिये। वेतन और रोजगार की सुरक्षा को लेकर जन जागरण कर,संगठन का ध्येय अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने की बात संगठन मंत्री के द्वारा कही गई। राष्ट्र हित,उद्योग हित और श्रमिक हित के सूत्रों को ध्येय में रख़कर काम करने के लिए कार्यकर्ताओं को उन्होंने निर्देश दिए। जिले में स्थापित विभिन्न उद्योगों, खदानों,फैक्ट्रियों इत्यादि में काम करने वाले श्रमिकों से संपर्क कर,नई नई यूनियनें बनाने के लिए सभी को निर्देश दिए।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कार्यकर्ता प्रकोष्ठ के प्रभारी सुनील किरवई का भी सभी को मार्गदर्शन मिला। उन्होंने जिले में शीघ्र ही एक अभ्यास वर्ग कराने की बात कही जिसमें प्रत्येक सेक्टर के श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के जिले के द्वारा प्रयास किये जायेंगे।

इस अवसर पर भारतीय मज़दूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जबलपुर संभाग प्रभारी कमलेश पटेल, विभाग प्रमुख नागेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष राज सिंह,जिला मंत्री विनोद पटेल,प्रतिरक्षा मज़दूर संघ से शिवाजी प्रताप,यादव सिंह लोखंडे, राजेश तिवारी,बरही तहसील अध्यक्ष सनत गौतम, रामसुजान जायसवाल, विजयराघवगढ़ तहसील अध्यक्ष सुरेश राठौर आदि उपस्थिति रहे।

नेशनल लोक अदालत: बुढ़ार न्यायालय में सुलझा 8 साल पुराना वैवाहिक विवाद, न्यायाधीश ने फूल माला पहनाकर जोड़ा रिश्ता

बुढ़ार ।

शनिवार को मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (शहडोल) श्री काशीनाथ सिंह के निर्देशानुसार आज बुढ़ार तहसील मुख्यालय में नेशनल लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। श्री सुशील कुमार अग्रवाल, जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार की अध्यक्षता में आयोजित इस लोक अदालत में न्यायालयीन प्रकरणों का आपसी सहमति से सुलभ निपटारा किया गया।

न्यायालय परिसर में रही हलचल,4 खंडपीठों का हुआ गठन

लोक अदालत के सफल संचालन हेतु कुल 4 खंडपीठों का गठन किया गया था, जिनमें निम्नलिखित न्यायिक अधिकारियों ने प्रकरणों की सुनवाई की:श्री सुशील कुमार अग्रवाल (जिला न्यायाधीश),श्री नरेंद्र कुमार भण्डारी (न्यायिक मजिस्ट्रेट),सुश्री दिष्या रामटेके (न्यायिक मजिस्ट्रेट) श्री लक्ष्मण रोहित (न्यायिक मजिस्ट्रेट)की उपस्थिति में।

इस अवसर पर अभियोजन अधिकारी कुर्वेद शाह ठाकुर, संतोष कुमार पाटले, अशोक सिसोदिया सहित वरिष्ठ कर्मचारी राजकुमार पैकरा, अधिवक्ता सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं का विशेष सहयोग रहा। खण्डपीठ सदस्यों के रूप में अधिवक्ता रामकृष्ण गुप्ता, अरविंद साहनी,पराग गर्ग, सुश्री दीपिका यादव एवं सामाजिक कार्यकर्ता बबली दाहिया भी उपस्थित रहे।

सफलता की कहानी: टूटने से बचा एक परिवार

लोक अदालत में सबसे सुखद तस्वीर खंडपीठ क्रमांक 17 (न्यायाधीश श्री सुशील कुमार अग्रवाल) के समक्ष देखने को मिली। यहां धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम के तहत 'सीमांत बनाम मधु' का प्रकरण लंबित था।विवाद का संक्षिप्त विवरण: > पक्षकारों का विवाह वर्ष 2022 में हुआ था, लेकिन पिछले कुछ समय से वैचारिक मतभेद इतने बढ़ गए थे कि उनका साथ रहना कठिन हो गया था। नाते-रिश्तेदारों की समझाइश के बावजूद मामला न्यायालय तक जा पहुंचा था और दोनों पक्षों ने न्यायिक पृथक्करण (तलाक) की मांग की थी।

सुलह की मिसाल: माननीय न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल महोदय ने लोक अदालत के दौरान दोनों पक्षों को बुलाकर धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें साथ रहने के लाभ समझाए। न्यायाधीश की समझाइश का सकारात्मक असर हुआ और दंपत्ति ने अपने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया।

सम्मान के साथ विदाई: इस सुखद अंत पर माननीय न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने दंपत्ति को फूलमाला पहनाकर आशीर्वाद दिया और आपसी प्रेम व सुलह के प्रतीक स्वरूप उन्हें पौधे भेंट किए। दोनों पक्ष खुशी-खुशी अपने घर रवाना हुए।

विभागीय सहभागिता

नेशनल लोक अदालत में केवल न्यायालयीन प्रकरण ही नहीं, बल्कि बैंक, नगरपालिका और विद्युत विभाग से संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का भी मौके पर निराकरण किया गया। बड़ी संख्या में पक्षकारों ने उपस्थित होकर शासन की इस योजना का लाभ उठाया और अपने लंबित मामलों का निपटारा कराया।

डॉ.राधेश्याम नापित के हर्बल टरमाईट रिपलेंट डिवाइस के शोध को वैज्ञानिक अनुसंधान मे किया गया पेटेन्ट

बुढ़ार।

प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढ़ार वनस्पतिशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधेश्याम नापित द्वारा हर्बल टरमाईट रिपलेंट डिवाइस शोधकार्य को वैज्ञानिक अनुसंधान में पेटेन्ट कियें जाने पर महाविद्यालय तथा स्नेहियों में हर्ष व्याप्त हैं।

वनस्पतिशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधेश्याम नापित के इस शोधकार्य में चार शोधकर्ता वैज्ञानिक भी सम्मिलित है और इस शोध को पेटेन्ट युनाइटेड किंगडम (यू.के.) मे किया गया हैं, जिसे 29 अप्रैल 2026 को पंजीकृत किया गया है, जिसका डिजाइन नम्बर: 6521899 एवं 5 मई 2026 है।

इस शोधकार्य में डॉ. नापित के अलावा डॉ. रमेश अहिरवार, डॉ. प्रतिमा विसेन, डॉ.भूपेंदर कुमार, तथा डॉ. विमल कुमार रात्रे मुख्यतः है।

वैज्ञानिक अनुसंधान के शोधकर्ता डॉ राधेश्याम नापित ने हर्बल टरमाईट रिपलेंट डिवाइस शोध उपकरण के घटक के संदर्भ में बताया कि-हर्बल दीमक निवारक उपकरण में हर्बल निवारक फॉर्मूलेशन को रखने और वितरित करने के लिए अनुकूलित एक आवास इकाई और निवारक के रिलीज संचालन को नियंत्रित करने के लिए एक प्रसंस्करण या नियंत्रण इकाई सम्मिलित है और उपकरण में पौधों के अर्क, आवश्यक तेलों, हर्बल पाउडर या नीम, सिट्रोनेला, यूकेलिप्टस, लौंग, कपूर या हल्दी आधारित जैव सक्रिय कार्बनिक यौगिकों से तैयार प्राकृतिक दीमक निवारक रचनाओं के भंडारण के लिए एक भंडारण कक्ष भी शामिल है।

शोधकर्ता डॉ नापित ने बताया कि-हर्बल फॉर्मूलेशन को वाष्प, धुंध, गोली या विसरण के रूप में वितरित करने के लिए एक वितरण मॉड्यूल प्रदान किया गया है, जिसे सक्रिय यौगिकों के वाष्पीकरण और वितरण को बढ़ाने के लिए उपकरण में एक हीटिंग या अल्ट्रासोनिक डिफ्यूज़र भी शामिल हो सकता है तथा आर्द्रता, लकड़ी की नमी या दीमक की गतिविधि जैसी पर्यावरणीय स्थितियों को मापने के लिए एक संवेदन मॉड्यूल भी प्रदान किया जा सकता है।

इस उपकरण में एक बिजली आपूर्ति इकाई, वेंटिलेशन छिद्र और परिचालन नियंत्रण और स्थिति संकेत के लिए एक उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस भी है।

उपकरण का संचालन: इस उपकरण में हर्बल रिपेलेंट मिश्रण से भरा एक भंडारण कक्ष और एक डिस्पेंसिंग मॉड्यूल है जो पूर्व निर्धारित समय सारणी, पर्यावरणीय परिस्थितियों या दीमक की गतिविधि की उपस्थिति या अनुपस्थिति के आधार पर सक्रिय होता है, वहीं हीटिंग या डिफ्यूजन इकाई सक्रिय हर्बल यौगिकों को आसपास के क्षेत्र में, उदाहरण के लिए लकड़ी की संरचनाओं, फर्नीचर, दीवारों या भंडारण क्षेत्रों में, छोड़ती या फैलाती है, और छोड़े गए हर्बल वाष्प और जैव-सक्रिय अणु एक प्रतिकूल वातावरण बनाते हैं जो दीमकों को दूर भगाता है और हानिकारक सिंथेटिक रसायनों का उपयोग किए बिना संक्रमण को रोकता है। डॉ राधेश्याम नापित ने शोधकार्य में बताया कि-सेंसिंग मॉड्यूल आसपास के वातावरण की वास्तविक समय में निगरानी करने और प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डिस्पेंसिंग तीव्रता को समायोजित करने में भी सक्षम है। रिलीज आवृत्ति और संचालन मापदंडों को प्रोसेसिंग इकाई द्वारा इसे नियंत्रित किया जाता है ताकि यह निरंतर और ऊर्जा-कुशल तरीके से काम कर सके। यह उपकरण घरों, व्यवसायों, खेतों और भंडारण सुविधाओं में दीमक की रोकथाम और संरचनात्मक सुरक्षा के लिए एक गैर-विषाक्त, पर्यावरण के अनुकूल और जैव-अपघटनीय विकल्प प्रदान करता है। वनस्पतिशास्त्र के प्राध्यापक डॉ राधेश्याम नापित के दो शोध पत्र ऑक्स्फोर्ड यूनिवर्सिटी के एकेडेमिया पूर्व में प्रकाशित हो चुकी है। जिसे हजारो लोगो ने देखा व अवलोकन किये है।

डॉ नापित के शोधकार्य एथ्नोबोटनी में अभी तक 30 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर में प्रकाशित हो चुका है, और 7 रिफ्रेंस बुक एवं 1 एम एस-सी की टेक्स्ट बुक, तथा 1 वनस्पतिशास्त्र की हिन्दी की शब्दकोश, 8 एडिट पुस्तको के साथ-साथ वर्तमान मे एक पुस्तक "भारतीय दर्शन एवं पर्यावरण संरक्षण, लगभग आठ सौ पृष्ठ" की एक ग्रन्थ की रचना का प्रकाशन कार्य पूर्ण हो चुका है।

डॉ नापित महाविद्यालय बुढ़ार में दो अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार तथा एक सेमिनार और 5 राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन में अपनी सक्रिय भुमिका का निर्वहन करते हुये आयोजित कराया और वहीं पर्यावरण संरक्षण के लिए महाविद्यालय परिसर मे वृक्षारोपण करवाये जिससे रोपित पौधे हरे-भरे विद्धमान है।

आपके कुशल मार्गदर्शन में दो शोधार्थी शोधकार्य कर रहे है और 2024-25 का राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान वैज्ञानिक लेखन मे प्राप्त हुआ है, वहीं डॉ नापित म.प्र. शासन के राष्ट्रीय सेवा योजना में लगभग 4 वर्षो से कार्यक्रम अधिकरी का दायित्व निर्वहन कर रहे है।

वनस्पतिशास्त्र के प्राध्यापक डॉ राधेश्याम नापित सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो.दर्शन ठाकुर, प्रो. एस.के. मिश्रा, प्रो. भरत शरण सिंह, बुढ़ार महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती गंगा मिश्रा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय, एवं स्नेहियों के मिले आत्मीय स्नेह से शोधकार्य एवं अन्य सराहनीय गतिविधियों में पूरे समर्पण भाव से तत्पर हैं।

प्रतिदिन जाम की समस्या से परेशान हो रहे ग्रामीण, हादसे की रहती है आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

उमरियापान नगर में प्रतिदिन लगने वाला जाम आमजन के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। मुख्य मार्गों पर दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि किसी भी समय सड़क पर जाम लग जाता है, जिससे कामकाज के लिए निकले ग्रामीणों, राहगीरों, यात्रियों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के झंडा चौक, बस स्टैंड, आजाद चौक, बरातरे मार्ग, स्लीमनाबाद रोड, सिहोरा रोड और मुख्य बाजार क्षेत्र में सुबह से रात तक जाम की स्थिति बनी रहती है।

छोटे-बड़े वाहनों, दोपहिया और ऑटो रिक्शा की बढ़ती संख्या के साथ अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क किनारे अतिक्रमण समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। जाम के चलते स्कूली छात्र, मरीज और नौकरीपेशा वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई बार एम्बुलेंस और जननी वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, ज्यादा समय तक जाम में फंसे होने से मरीजों की हालत गंभीर हो जाती है।

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस) (अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14)
अपील क्रमांक-MA/8512/2025
Process Id: 124937/2026
THE NEW INDIA ASSURANCE COMPANY CO. LTD.
अपीलार्थी
BEWA VINNO BAI CHOUDHARY, प्रत्यर्थी
सन् 2023 के MACC क्रमांक-283 सन् 2023 में न्यायालय Member, Addl. MACT, Shri Nisar Ahmed, Beohari, District- Shahdol (M.P) की डिक्री/आदेश, दिनांक 20-02-2025 के विरुद्ध अपील।
प्रति, Prabhakar Mishra S/o Shri A.P. Mishra, R/o Village Gram Ward No.5, Mapur, Thana and Tehsil Manpur, District-Umariya, Madhya Pradesh
प्रत्यर्थी, अपील की सुनवाई का दिनांक - कृपया सूचित करें कि ऊपर वर्णित अपील की Appellant द्वारा प्रस्तुत की गई और इस न्यायालय में पंजीकृत की गई है तथा इस न्यायालय द्वारा अपील की सुनवाई का दिनांक 15/06/2026 नियत की गई है। [illegible] दिनांक 15/06/2026 [illegible] दिनांक 15/06/2026 [illegible] आज दिनांक-18.04.2026 को [illegible] उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर [illegible]
प्रधान सहायक, न्यायिक शाखा

20 कुओं की कराई गई सफाई, 27 सोक पिट बनाये, 681 लीकेज का किया सुधार

जल गंगा अभियान के तहत ननि की विभिन्न गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर निगम कटनी द्वारा भी नगर में रोजाना विभिन्न गतिविधियों नदी तालाबों और कुओं की सफाई, लीकेज सुधार कार्य, सोकपिट निर्माण, सार्वजनिक प्याऊ आदि का संचालन किया जाकर नागरिकों के मध्य जल के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री श्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि अभियान के तहत नगर के जल स्त्रोतों एवं उसके आसपास की सफाई के कार्य अनवरत जारी है जिसके तहत कटाएघाट स्थित कटनी नदी में प्रयागराज की मशीन के माध्यम से लगभग 400 मीटर लंबाई की नदी की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वहीं नगर के अन्य तालाबों अमीरगंज तालाब, बजरंग कॉलोनी तालाब सहित नगर के अन्य तालाबों की सफाई हेतु जन सहयोग के माध्यम से सफाई अभियान चलाया गया है। वहीं अभियान के तहत नगर के विभिन्न वार्डो के 20 से अधिक सार्वजनिक कुओं की सफाई कराई जाकर रंग रोगन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

इन स्थलों में बने सोक पिट

अभियान के तहत नगर के विभिन्न 27 हैंडपंप स्थलों पर सोक पिट का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। सोकपिट निर्माण के माध्यम से हैंडपंप के पास व्यर्थ बहने वाले जल को एकत्रित कर भूमिगत जल स्तर बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे है। जिसके तहत विगत दिवसों रफी अहमद किदवई वार्ड स्थित अयोध्या बस्ती और राम जानकी हनुमान वार्ड स्थित अंबेडकर चौक में हैंडपंप के पास सोक पिट का निर्माण कराया जाकर जल संग्रहण के प्रयास किए गए।

807 स्थलों से एकत्र किये गये पेयजल के नमूने

अभियान के तहत नगर के विभिन्न वार्डों की पाइपलाइनों के लीकेज का सुधार किया जाकर पानी को व्यर्थ बहने से रोकने के प्रयास किये जा रहे है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के क्रिटिकल केयर यूनिट का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आईसीयू कक्ष, नेत्र कक्ष, बेड की उपलब्धता एवं चिकित्सा उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर पंचोली ने स्वास्थ्य अधिकारियों से मरीजों को बेहतर उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, सिविल सर्जन डॉ. परस्ते, डॉ. एससी राय सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आर्यन ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की एमबीबीएस की परीक्षा

अनूपपुर। आर्यन प्रताप सिंह का प्रावीण्य सूची से लेकर एमबीबीएस तक का सफर शानदार रहा है। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज शहडोल से एमबीबीएस फाइनल ईयर की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर आर्यन अब डॉ. आर्यन बन गए हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है तथा लगातार बधाइयों का तांता लगा हुआ है। डॉ. आर्यन शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं प्रावीण्य सूची में उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। पढ़ाई के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत के बल पर उन्होंने मेडिकल क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। डॉ. आर्यन, अनूपपुर निवासी अंजनी कुमार सिंह "मेजर" के पुत्र हैं। साथ ही वे वरिष्ठ पत्रकार अनुपम सिंह. वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह तथा अरुण कुमार सिंह के भतीजे हैं। उनकी इस सफलता पर परिवारजनों सहित सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। शिक्षकों एवं गुरुजनों ने बताया कि आर्यन हमेशा से अनुशासित, मेहनती और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्र रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के साथियों ने भी उनकी सफलता को प्रेरणादायक बताया। परिवारजनों ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। डॉ. आर्यन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज शहडोल से सफलता प्राप्त करने पर मित्रो, परिवार व शुभचिन्तको के द्वारा बधाई दी जा रही है। आर्यन के डॉ. आर्यन बनने से परिवार और क्षेत्र के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे है ।

रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल पीएनएम बैठक के मांग पर जीडीसी परीक्षा होगी जल्द

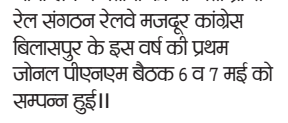

अनूपपुर। रेलवे जोन मुख्यालय बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के उपस्थित में वर्ष 2026 की प्रथम जोनल पीएनएम बैठक महाप्रबंधक सभागार में 06 व 07 मई को आयोजित हुआ, युवा रेल कर्मचारियों की बहु प्रतीक्षित मांग वर्ष 2023 की परीक्षा आयटम क्रमांक 15 में व्यापक चर्चा हुई जिस पर प्रधान मुख्य कार्मिक ने बताया, प्रशासन ने वर्ष 2023 की परीक्षा को रद्द करने हेतु रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज दिया था, परंतु रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के हस्तक्षेप के उपरांत, महाप्रबंधक बिलासपुर तरुण प्रकाश के निर्देश पर रेल प्रशासन को अपना जीडीसी अधिसूचना रद्द करने का प्रस्ताव लिखित में वापस लेना पड़ा, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के साथ जोनल पीएनएम बैठक में रेल प्रशासन द्वारा बताया गया, एग्जाम कंडक्टिंग एजेंसी चंडीगढ़ आरआरबी द्वारा तय कर लिया गया है तथा 31 मई से पहले, मजदूर कांग्रेस के साथ बैठक कर वर्ष 2023 की रुकी हुई जीडीसी परीक्षा हेतु अधिसूचना जल्द जारी होगा। एनएफआईआर व मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव व जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया की मान्यता प्राप्त रेल संगठन रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के इस वर्ष की प्रथम जोनल पीएनएम बैठक 6 व 7 मई को सम्पन्न हुई।।

पीएम जनमन योजना से अछूता भाटीबहरा गांव

आखिर क्यों भेदभाव का शिकार हुआ ये बैगा गांव?

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड का भाटीबहरा गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है। बैगा समुदाय की करीब 300 आबादी वाला यह गांव शुद्ध पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। तीन साल पहले बिछाई गई पाइपलाइन आज तक सूखी पड़ी है, ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आदिवासी बाहुल्य गांव होने के बावजूद भाटीबहरा आखिर पीएम जनमन योजना से अछूता क्यों रह गया है?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जहां एक ओर सरकारें आदिवासी विकास, जल संरक्षण और ग्रामीण उत्थान के बड़े-बड़े दावे कर रही हैं, वहीं अनूपपुर जिले के मझगवा ग्राम पंचायत के भाटीबहरा गांव की स्थिति इन दावों की सच्चाई उजागर कर रही है। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले बैगा समुदाय के लोग आज भी ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं, जहां पीने के लिए साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है। गांव में तीन वर्ष पूर्व पाइपलाइन बिछाई गई, लेकिन आज तक उसमें पानी नहीं पहुंचा। परिणामस्वरूप ग्रामीण झिरिया खोदकर दूषित पानी पी रहे हैं और जलजनित बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थिति केवल पानी तक सीमित नहीं है। गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने से स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प हैं। गर्भवती महिलाओं को कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था भी बदहाल है, जहां एक जर्जर कमरे में आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूल दोनों संचालित हो रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि पीएम जनमन जैसी महत्वपूर्ण योजना का लाभ भी इस गांव तक नहीं पहुंच पाया, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

पाइपलाइन बिछाई गई लेकिन पानी नहीं

भाटीबहरा गांव में तीन साल पहले पेयजल व्यवस्था सुधारने के नाम पर पाइपलाइन बिछाई गई थी। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब उन्हें साफ और सुरक्षित पानी मिलेगा, लेकिन यह योजना केवल कागजों तक सीमित रह गई है। पाइपलाइन बिछने के बाद आज तक उसमें एक बूंद पानी नहीं पहुंचा है। गांव के लोग मजबूरी में झिरिया खोदकर गंदा और दूषित पानी पी रहे हैं। इससे डायरिया, उल्टी-दस्त और त्वचा रोग जैसी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार "हर घर जल" और "जल गंगा संवर्धन अभियान" जैसे कार्यक्रम चला रही है, तब भाटीबहरा जैसे गांवों को आखिर क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों ने केवल औपचारिकता निभाकर योजना को अधूरा छोड़ दिया और आज तक किसी ने इसकी सुध नहीं ली है।

सड़क से जिंदगी की थमी रफ्तार

भाटीबहरा गांव तक पहुंचने वाला रास्ता बेहद खराब और कच्चा है। गर्मी के दिनों में भी यहां पहुंचना मुश्किल होता है, जबकि बारिश के मौसम में गांव पूरी तरह बाहरी दुनिया से कट जाता है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि बाइक और चारपहिया वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। इसका सबसे गंभीर असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को गांव से बाहर ले जाने के लिए ग्रामीणों को कंधों या खाट का सहारा लेना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस मुख्य सड़क से आगे नहीं आ पाती, जिससे समय पर इलाज नहीं मिल पाता है ग्रामीण बताते हैं कि कई प्रसव गांव में ही जोखिम भरे हालात में कराने पड़ते हैं।

शिक्षा के नाम पर बदहाली

भाटीबहरा गांव में शिक्षा व्यवस्था की हालत भी बेहद चिंताजनक है। यहां बच्चों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त भवन तक उपलब्ध नहीं है। गांव में मौजूद एक जर्जर कमरे में ही आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय दोनों संचालित किए जा रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। बरसात के दिनों में भवन की स्थिति और खतरनाक हो जाती है, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराता रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशान रहते हैं। आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने और ड्रॉपआउट रोकने के लिए सरकार करोड़ों रुपए खर्च करने का दावा करती है, लेकिन भाटीबहरा जैसे गांवों की तस्वीर इन दावों की पोल खोल रही है। यहां के बच्चों का भविष्य प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।

पीएम जनमन योजना से बाहर क्यों?

भाटीबहरा गांव की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बैगा बाहुल्य होने के बावजूद इसे पीएम जनमन योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। यह वही योजना है, जिसे विशेष रूप से आदिवासी और विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए लागू किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब आसपास के अन्य क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है, तब उनके गांव को नजरअंदाज क्यों किया गया है? गांव के लोगों में इसे लेकर भारी नाराजगी है। उनका आरोप है कि जनप्रतिनिधि केवल चुनाव के समय गांव में पहुंचते हैं और बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं। चुनाव खत्म होते ही गांव को उसकी बदहाली के भरोसे छोड़ दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बैगा समुदाय को ही योजनाओं से वंचित रखा जाएगा, तो फिर आदिवासी विकास के दावे किसके लिए किए जा रहे हैं।

विकास के दावों पर आखिर जिम्मेदार कौन?

भाटीबहरा गांव की बदहाल तस्वीर प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता का बड़ा उदाहरण बन चुकी है। पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित यह गांव आज भी विकास की प्रतीक्षा कर रहा है। सबसे दुखद बात यह है कि जिन बैगा परिवारों को सरकार विशेष संरक्षण देने की बात करती है, वही परिवार आज गंदा पानी पीने और बदहाल जिंदगी जीने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं तो आने वाले समय में जलजनित बीमारियां, कुपोषण और स्वास्थ्य संकट गंभीर रूप ले सकते हैं। अब सवाल प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से है कि आखिर भाटीबहरा गांव को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए ठोस कदम कब उठाए जाएंगे? या फिर यह गांव यूं ही योजनाओं और घोषणाओं के बीच उपेक्षा का शिकार बना रहेगा।

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा-कलेक्टर हर्षल पंचोली<जिला चिकित्सालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित हुआ रक्तदान एवं नेत्र परीक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला चिकित्सालय में विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर को संबोधित करते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने बताया कि अनूपपुर जिले में पिछले दो वर्षों में व्यावहारिक परिवर्तन देखने को मिला है। धीरे-धीरे समाज में रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार एवं उन्हें अधिक सुदृढ़ करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर पंचोली ने कहा कि मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं एवं विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। शिविर एवं कैंपों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला रेड क्रॉस सोसाइटी से नेहरू युवा केंद्र, एनसीसी, जन अभियान परिषद सहित अन्य संस्थाओं को जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जाना चाहिए। कलेक्टर पंचोली ने कहा कि सभी लोगों को रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि आपका दिया हुआ रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवनदान बन सकता है। विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित शिविर का शुभारंभ रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनां के छायाचित्र पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान करने वाले आशीष अग्रवाल, अरमान यादव एवं डॉ. डीए प्रकाश खांडे को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिविर में 15 लोगों ने रक्तदान किया तथा 30 लोगों का नेत्र जांच किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. परस्ते, रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव देवेंद्र तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकारगण, आमजन उपस्थित थे।

दो दिनों में 6 मवेशियों की मौत, वन अमला भी हमले में घायल

आतंक का पर्याय बना दंतैल

ग्रामीणों में दहशत, हाथी को तत्काल रेस्क्यू कर जिले से बाहर करने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के ग्राम पंचायत सेंदुरी, सोनमौहरी, अमगवां, छुलहा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से विचरण कर रहा एक आक्रामक दंतैल हाथी अब ग्रामीणों के लिए आतंक का पर्याय बन चुका है। 8 और 9 मई की रात हाथी ने अलग-अलग स्थानों पर हमला कर कुल 6 पालतू मवेशियों को मौत के घाट उतार दिया, जबकि एक बैल गंभीर रूप से घायल है। हाथी की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि निगरानी कर रहे वन परिक्षेत्र अधिकारी और प्रशिक्षु रेंजर भी उसके हमले से बचते समय घायल हो गए। लगातार हो रहे नुकसान और भय के माहौल के बीच ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन और वन विभाग से हाथी को तत्काल रेस्क्यू कर जिले से बाहर करने की मांग तेज कर दी है।

रात में गांवों में घुसकर मचाया उत्पात

जिला मुख्यालय अनूपपुर से कुछ किलोमीटर दूर स्थित सोनमौहरी बीट के जंगल में पिछले आठ दिनों से डेरा जमाए यह अकेला दंतैल हाथी दिन में जंगल में विश्राम करता है और रात होते ही भोजन की तलाश में गांवों की ओर निकल पड़ता है। गुरुवार और शुक्रवार की मध्य रात्रि

हाथी ने सेंदुरी गांव में कई घरों और खेतों के पास बंधे मवेशियों पर हमला कर चार गाय-बैलों को मार डाला। वहीं एक बैल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार पशु चिकित्सकों द्वारा कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार हाथी लगातार घरों के आसपास पहुंचकर तोड़फोड़ भी कर रहा है। अमगवां, सोनमौहरी और गोहाटोला में कई ग्रामीणों के मकानों को नुकसान पहुंचा है। खेतों में लगी फसलें भी हाथी का निवाला बन रही हैं।

वन अमला भी नहीं सुरक्षित

शुक्रवार देर रात हाथी सोनमौहरी के पिचिंगटोला पहुंच गया, जहां उसने एक भैंस और एक पाड़ा को बुरी तरह पटककर मार डाला। हाथी की निगरानी कर रहे वन परिक्षेत्र अधिकारी स्वर्ण गौरव सिंह और प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव दुबे अचानक हाथी के हमलावर होने पर जान बचाकर भागे, लेकिन गिरने से घायल हो गए। दोनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। घटना के दौरान रेलवे लाइन के पास हाथी की मौजूदगी से एक मालगाड़ी चालक को भी ट्रेन रोकनी पड़ी। इससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा है।

पहले भी ले चुका है तीन लोगों की जान

वन विभाग के अनुसार यह दंतैल हाथी छत्तीसगढ़ के कटघोड़ा वन मंडल के हाथियों के झुंड से अलग होकर लगभग 24 दिन पहले अनूपपुर जिले में प्रवेश किया था। इस दौरान यह हाथी भोलगढ़, ताराडांड और छत्तीसगढ़ सीमा के जंगलों में तीन लोगों की जान ले चुका है तथा कई लोगों को घायल कर चुका है। हाथी को भगाने का प्रयास करने पर यह और अधिक आक्रामक हो जाता है तथा ग्रामीणों को दौड़ाकर हमला करने की कोशिश करता है।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

लगातार बढ़ते खतरे से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही हाथी को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर नहीं भेजा गया तो व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग केवल निगरानी तक सीमित है, जबकि गांवों में हर रात जान-माल का खतरा बना हुआ है। इधर वन विभाग ने प्रभावित गांवों के लोगों से हाथी से कम से कम 200 मीटर दूरी बनाए रखने, अंधेरा होने से पहले सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने और खेतों में मवेशियों को रात में न बांधने की अपील की है।

टोरेंट पावर का सराहनीय कदम; प्रभावित ग्रामीणों के लिए सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स का भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

टोरेंट पावर कंपनी द्वारा अनूपपुर जिले में स्थापित होने जा रहे पॉवर प्लांट क्षेत्र के स्थानीय प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों की सुविधा और निस्तार को ध्यान में रखते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बड़े सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। रक्सा एवं कोलमी ग्राम पंचायत में अलग-अलग स्थानों पर भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कंपनी की ओर से सलाहकार सुधाकर पांडेय, महाप्रबंधक एसके मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक ओ.पी. नैनवाल, अपर महाप्रबंधक धीरज सिंह चौहान एवं आकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इसके पश्चात कंपनी प्रबंधन एवं ग्रामीणजनों द्वारा विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर गांववासी चक्रधर मिश्रा, अमोल सिंह, पूर्व सरपंच प्रीतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। साथ ही कंपनी के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया। यह सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स कंपनी की बाउंड्री के बाहर बनाया जा रहा है, जिससे गांव के महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों को स्वच्छ

और सुरक्षित सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स बनने से ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय सुविधा उपलब्ध होगी। महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों को खुले में शौच से मुक्ति मिलेगी तथा गांव में स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ेगी। इस पहल से ग्रामीणों के बीच आपसी सहयोग, सहभागिता और सामाजिक सौहार्द की भावना मजबूत होगी। सार्वजनिक सुविधा होने से सभी वर्गों के लोग समान रूप से लाभान्वित होंगे। बच्चों और महिलाओं को विशेष रूप से सुरक्षित एवं सम्मानजनक सुविधा प्राप्त होगी। गांव का वातावरण स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनेगा तथा ग्रामीणों और कंपनी के बीच विश्वास एवं बेहतर संबंध स्थापित होंगे। ग्रामीणों ने कंपनी के इस जनहितकारी कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सुविधाएं गांव के विकास और स्वच्छता अभियान को नई दिशा देंगी। टोरेंट पावर प्रोजेक्ट रक्सा कोलमी के महाप्रबंधक सुशील कांत मिश्रा ने बताया कि क्षेत्रीय विकास, स्वच्छता और ग्रामीण हितों को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहेंगे। यह पहल न केवल ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करेगी ग्रामीणों के लिए ग्रामीणों द्वारा ही निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सामुदायिक विकास और ग्रामीण उत्थान की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित होगी।